LKG RHYMES (CYCLE 1)-HINDI

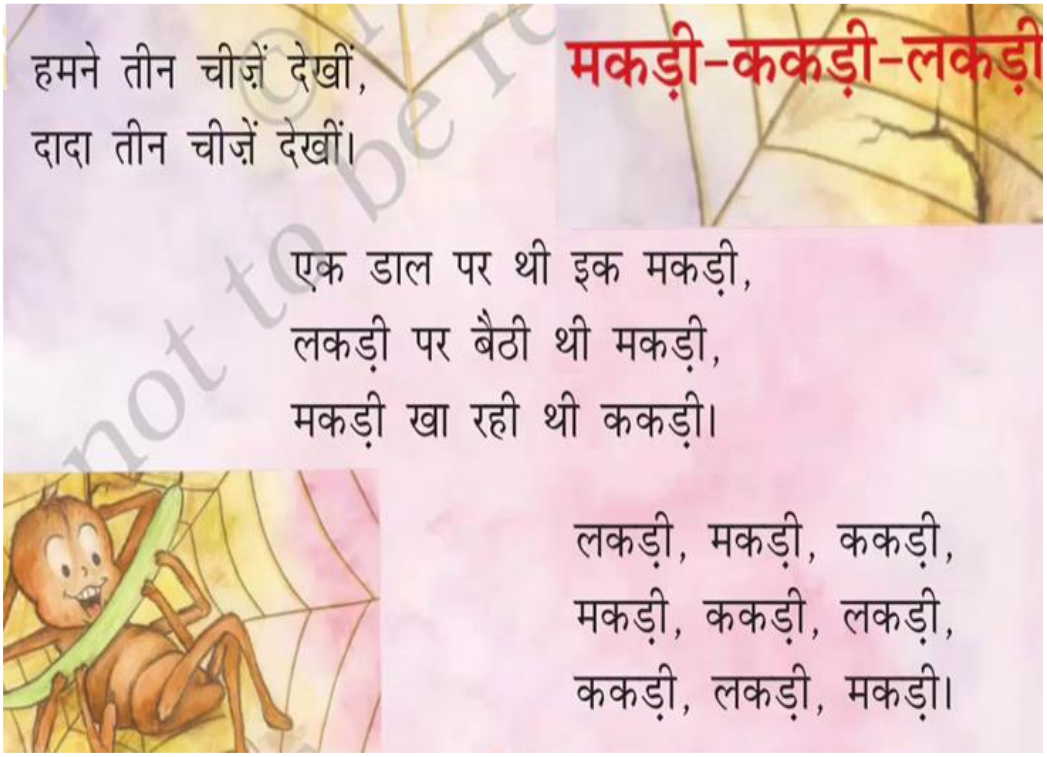

उठो लाल अब आँखें खोलो

उठो लाल अब आंखें खोलो
पानी लाई हूं मुंह धो लो

बीती रात कमल दल फूले
उनके ऊपर भंवरे झूले

चिड़ियां चहक उठी पेड़ों पर
बहने लगी हवा अति सुंदर

नभ में न्यारी लाली छाई
धरती ने प्यारी छवि पाई

भोर हुई सूरज उग आया
जल में पड़ी सुनहरी छाया

नन्हीं नन्हीं किरणें आई
फूल खिले कलियां मुस्काई

इतना सुंदर समय न खोओ
मेरे प्यारे अब मत सोओ